भजन

तर्ज–रिम झिम बरसता सावन होगा

सतगुरू की वाणी पढ़ने से,जीवन हमारा सुन्दर होगा
भवसागर तर जायेगें,और बेड़ा पार होगा

1–माया के दुखो से छुटकारा हम पायेगें
धनी पा के पात्र बन जायेगें
धनी चरणों का सहारा होगा

2–रहेगे संसार में सुरता होगी निजधाम में
अपनी परआत्म में मिलेगें निजधाम में
मूल मिलावा हमें प्यारा होगा

3–ये माया तो आनी जानी झूठा यह संसार है
राज नाम की वाणी ले लो इससे बेड़ा पार है
सुन्दर समय वह सुहाना होगा